भारत सरकार
नागर विमानन मंत्रालय
लोक सभा
लिखित प्रश्न संख्या : 1996
गुरुवार, 11 दिसंबर, 2025/20 अग्रहायण, 1947 (शक) को दिया जाने वाला उत्तर

गुजरात में हेलीपोर्ट/हेलीपैड और रनवे का विकास

1996. श्री जसवंतसिंह सुमनभाई भाभोरः

क्या **नागर विमानन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार का उड़ान तंत्र के अंतर्गत नए लाइसेंस प्राप्त विमानपत्तनों को जोड़ते हुए दाहोद, पंचमहल और छोटा उदयपुर सहित गुजरात के पूर्वी जनजातीय क्षेत्रों में हेलीपोर्ट/हेलीपैड और छोटे रनवे विकसित करने का विचार है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) पूर्वी गुजरात क्षेत्र की उड़ान के नवीनतम चरणों में सफलता दर कितनी है; और

(ग) क्या दाहोद-भोपाल-इंदौर-वडोदरा जैसे मार्गों को प्राथमिकता दी जा रही है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
नागर विमानन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मुरलीधर मोहोल)

(क) से (ग) आरसीएस-उड़ान एक बाजार आधारित, सतत योजना है जिसका उद्देश्य असेवित और अल्पसेवित क्षेत्रों को किफ़ायती हवाई संपर्क प्रदान करना है। ऐसी हवाईपट्टियों, हवाईअड्डों और वॉटर एयरोड्रोमों की सूची को संबंधित राज्य सरकार के परामर्श से अंतिम रूप दिया जाता है। बोली प्रक्रिया के दौर समय-समय पर आयोजित किए जाते हैं और एयरलाइनें मार्ग की मांग के आकलन के आधार पर प्रस्ताव प्रस्तुत करती हैं। 'उड़ान' योजना के तहत अवार्ड किए गए मार्गों में शामिल हवाईअड्डे अथवा हेलीपोर्ट जिन्हें परिचालन शुरू करने हेतु उन्नयन की आवश्यकता है, उसका विकास 'असेवित और अल्पसेवित हवाईअड्डों का पुनरुद्धार' योजना के तहत किया जाता है।

गुजरात राज्य सरकार ने 'उड़ान' योजना दस्तावेज में असेवित हवाईपट्टियों/ हेलीपैडों की संभावित सूची में शामिल करने के लिए दाहोद, पंचमहल और छोटा उदयपुर में किसी भी हवाईपट्टी/हेलीपैड के होने का उल्लेख नहीं किया है।

वर्तमान में, गुजरात में 'उड़ान' योजना के तहत 71 मार्गों को जोड़ने वाले कुल 8 हवाईअड्डों को प्रचालनरत किया गया है।

*****